RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 306
दि. 10.03.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी ने 'सबका साथ सबका विकास - जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति' थीम पर आयोजित बजट-पश्चात वेबिनार को संबोधित किया

पिछले कुछ वर्षों में देश का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत हुआ है; आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से सैकड़ों जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच हर गांव तक बढ़ाई गई है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज बजट-पश्चात वेबिनार श्रृंखला के चौथे आयोजित वेबिनार को संबोधित किया, जिसकी थीम थी 'सबका साथ सबका विकास झ जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति'। श्री मोदी ने शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति सेक्टरों को इन लक्ष्यों की पूर्ति का प्रमुख माध्यम बताते हुए, बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श करने के लिए विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं का स्वागत किया। श्री मोदी ने बल देते हुए कहा, 'जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति मात्र एक विषय नहीं है; यह इस बजट का मूल उद्देश्य और इस सरकार का संकल्प है।'

प्रधानमंत्री ने निवारक और समग्र स्वास्थ्य की परिकल्पना पर जोर देते हुए, स्वास्थ्य अवसंरचना के तेजी से सुदृढ़ीकरण और योग एवं आयुर्वेद की वैश्विक लोकप्रियता का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि सैकड़ों जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं; आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार हुआ है। श्री मोदी ने विशेष रूप से उभरती 'देखभाल अर्थव्यवस्था' और वैश्विक स्तर पर देखभालकताओं की बढ़ती मांग की ओर ध्यान आकर्षित किया और विशेषज्ञों से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। श्री मोदी ने कहा, "मैं इस वेबिनार में उपस्थित स्वास्थ्य सेक्टर के विशेषज्ञों से नए प्रशिक्षण मॉडल और साझेदारियों को विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह करूंगा ताकि देश में प्रशिक्षण व्यवस्था और भी मजबूत हो सके।"

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा में डिजिटल परिवर्तन के संदर्भ में, दूरस्थ क्षेत्रों तक टेलीमेडिसिन की पहुंच की सफलता का उल्लेख किया। इसकी बढ़ती लोकप्रियता को स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्री ने उपयोगकर्ता अनुभव को और सरल बनाने तथा जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री मोदी ने कहा, "मेरा मानना है कि अभी भी टेलीमेडिसिन के बारे में जागरूकता और इसके उपयोग को सरल बनाने की आवश्यकता है।"

प्रधानमंत्री ने भारत के युवाओं की विकसित होती सोच को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए इसकी सराहना की और इस भावना के अनुरूप शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि देश में शिक्षा को रोजगार और उद्यम से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि नई शिक्षा नीति एक ऐसे पाठ्यक्रम की नींव रखती है जो बाजार की मांगों और वास्तविक अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों के अनुरूप होना चाहिए। श्री मोदी ने कहा, "हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करना होगा।"

प्रधानमंत्री ने शिक्षा, रोजगार और उद्यम के बीच संबंधों पर चर्चा करते हुए, एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) क्षेत्र को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इसका उल्लेख करते हुए कि भारत नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान-आधारित शिक्षा के केंद्रों में बदलने का आह्वान किया ताकि छात्रों को आवश्यक वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके। श्री मोदी ने कहा, "मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि इस वेबिनार में, अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान-आधारित शिक्षा के केंद्रों के रूप में विकसित करने पर विचार-विमर्श अवश्य करें।"

प्रधानमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती संख्या पर गर्व व्यक्त किया और भविष्य की प्रौद्योगिकियों में बेटियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। श्री मोदी ने एक सशक्त अनुसंधान इकोसिस्टम बनाने का आह्वान किया जो युवा शोधकर्ताओं को बिना किसी बाधा के नवाचार और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करे। उन्होंने कहा, "हमें एक ऐसा अनुसंधान इकोसिस्टम बनाना होगा जहां युवा शोधकर्ताओं को नए विचारों पर प्रयोग करने और काम करने का पूरा अवसर मिले।"

खेलों की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वस्थ और अनुशासित युवा आबादी ही राष्ट्रीय शक्ति की रीढ़ है। उन्होंने 'खेलो इंडिया' के प्रभाव को रेखांकित किया और छोटे शहरों एवं क्षेत्रों से भी प्रतिभाओं की पहचान करने, खेल निकायों को पेशेवर बनाने और राष्ट्रमंडल खेलों तथा ओलंपिक बोली जैसी आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए खिलाड़ियों को सुव्यवस्थित वित्तीय सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री मोदी ने कहा, "ऐसी स्थिति में, हमें आज ही युवा खिलाड़ियों की पहचान करके उन्हें प्रशिक्षित करना होगा, तभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की ख्याति बढ़ेगी।"

प्रधानमंत्री ने पर्यटन और संस्कृति में रोजगार सृजन की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पारंपरिक स्थलों से परे नए पर्यटन स्थलों का विकास किसी शहर की ब्रांडिंग और समग्र विकास को बढ़ावा देता है। श्री मोदी ने हितधारकों से कौशल, संपर्क और सामुदायिक भागीदारी को शामिल करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा, "अब हम देश में पर्यटन स्थलों को नए सिरे से विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।"

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा, "प्रशिक्षित गाइड, आतिथ्य कौशल, डिजिटल संपर्क और सामुदायिक भागीदारी हमारे पर्यटन सेक्टर के स्तंभ बन रहे हैं। इनके साथ-साथ स्वच्छता और सतत विकास पद्धतियां भी आवश्यक हैं। भारत की स्थिति को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में सुदृढ़ करने के लिए हम मिलकर काम कर रहे हैं, ऐसे में पर्यटन और संबंधित क्षेत्रों पर आपके सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे।"

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के समापन में राष्ट्रीय प्रगति को गति देने के लिए संस्थानों, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच समन्वय के महत्व पर जोर दिया और विश्वास व्यक्त किया कि ये चचाएं भविष्य के लिए एक ठोस रूपरेखा प्रदान करेंगी और विकसित भारत की नींव को मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा, "ऐसे प्रयासों से विकसित भारत की नींव और भी सुदृढ़ होगी।"

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी नेपाल में चुनावों में मिली सफलता के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेताओं को बधाई दी

पीएम मोदी की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष श्री रबी लामिछाने और आरएसपी के वरिष्ठ नेता श्री बालेंद्र शाह के साथ टेलीफोन पर आत्मीय बातचीत हुई। श्री मोदी ने दोनों नेताओं को उनकी चुनावी जीत और नेपाल के चुनावों में आरएसपी की शानदार सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं और पारस्परिक समृद्धि, प्रगति तथा दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए साथ मिलकर कार्य करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहरायी।

भारत-नेपाल संबंधों के भविष्य के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि साझा प्रयासों से आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच साझेदारी नई ऊँचाइयों तक पहुँचेगी।

जेवर एयरपोर्ट को मिला एयरोड्रम लाइसेंस, सीएम योगी बोले—भारत का एविएशन सेक्टर तेजी से बदल रहा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि DGCA ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NIA) के लिए YIAPL को एयरोड्रम लाइसेंस प्रदान किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का एविएशन सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है और बड़े बदलाव देख रहा है.

गौतम बुद्ध नगरः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का एविएशन सेक्टर अभूतपूर्व विस्तार और बदलाव देख रहा है. यह बात उन्होंने तब कही जब नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस दे दिया.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि DGCA ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (ठका) के लिए YIAPL को एयरोड्रम लाइसेंस प्रदान किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का एविएशन

सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है और बड़े बदलाव देख रहा है.

उन्होंने कहा कि जेवर में बन रहा यह विश्वस्तरीय एयरपोर्ट एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा. इससे निवेश, पर्यटन और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और नया उत्तर प्रदेश तथा नया भारत बनाने की दिशा में तेजी आएगी.

यह एयरपोर्ट YIAPL द्वारा विकसित किया जा रहा है, जो Zurich Airport Internstional AG की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है. यह परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार के सहयोग से पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत बनाई जा रही है. नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना की 40 साल की रियायत अवधि 1 अक्टूबर 2021 से शुरू हुई है.

एयरपोर्ट को सार्वजनिक उपयोग के तहत सभी मौसम में संचालन के लिए लाइसेंस दिया गया है.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च को केरल और तमिलनाडु की यात्रा पर जाएंगे

प्रधानमंत्री एनार्कुलम में लगभग 10,800 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

प्रधानमंत्री भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड की कोच्चि रिफाइनरी में पॉलीप्रोपाइलीन इकाई की आधारशिला रखेंगे

प्रधानमंत्री दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं : एनएच-66 के थलापडी-चेंगला खंड का छह लेन का निर्माण और वेंगलम से रामनट्टुकरा तक कोझिकोड बाईपास का छह लेन का निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे

प्रधानमंत्री तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के 49वें वार्षिक दिवस समारोह की अध्यक्षता की

कुशल स्वास्थ्य पेशेवर तैयार करने और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सहयोग देने में एनआईएचएफडब्ल्यू की भूमिका पर प्रकाश डाला गया

भारत डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना का विस्तार कर रहा है, स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों को सशक्त बना रहा है, टीकाकरण कार्यक्रम का विस्तार कर रहा है और रोग निगरानी प्रणाली को मजबूत कर रहा है: श्री जाधव

कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों ने संस्थान के वार्षिक प्रकाशन 'धारणा', एचपीपीआई जर्नल तथा 'प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ प्लेसमेंट सेल' का विमोचन किया

(जीएनएस)।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी संस्थान राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) ने आज नई दिल्ली के मुनिरका स्थित एनआईएचएफडब्ल्यू सभागार में अपना 49वां वार्षिक दिवस मनाया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री तथा आयुष मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) के राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. सुनीता शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने, क्षमता निर्माण तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में अनुसंधान में संस्थान के योगदान को प्रमुखता से उजागर किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री प्रतापराव जाधव ने सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत बनाने के महत्व पर जोर दिया और कुशल स्वास्थ्य पेशेवरों के निर्माण तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को समर्थन देने में ठक्लत्रह्व की भूमिका को रेखांकित किया। श्री जाधव ने कहा कि, 'हम आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना का विस्तार कर रहे हैं। स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। साथ ही हम टीकाकरण प्रयासों का विस्तार कर रहे हैं, नए टीकों की शुरूआत कर रहे हैं

और रोग निगरानी प्रणालियों को अधिक प्रभावी बना रहे हैं।'

डॉ. सुनीता शर्मा ने भी सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान, प्रशिक्षण और भारत सरकार को नीतिगत सहयोग प्रदान करने में संस्थान के निरंतर योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस संस्थान ने भारत के स्वास्थ्य कार्यबल की क्षमता को मजबूत करने तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अपने संबोधन और वार्षिक प्रतिवेदन की प्रस्तुति में ठक्लत्रह्व के निदेशक डॉ. सुनील विलासराव गित्ते ने पिछले एक वर्ष के दौरान संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इनमें सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण में प्रगति, अनुसंधान पहलें तथा देश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए विभिन्न सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के वार्षिक प्रकाशन 'धारणा', ल्रढढक जर्नल और 'प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ प्लेसमेंट सेल' का गणमान्य अतिथियों द्वारा औपचारिक रूप से विमोचन किया गया। इसके साथ ही उत्कृष्ट कर्मचारियों, विद्यार्थियों और खेल उपलब्धि हासिल करने वालों को उनके समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी संस्थान के जीवंत शैक्षणिक वातावरण को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और उसके बाद राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

स्वास्थ्य क्षेत्र को निर्यात और कौशल विकास से जोड़ना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है: श्री पीयूष गोयल

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) औषधि, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहे हैं। साथ ही ये समझौते वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को और मजबूत बनाने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

बजट 2026 के उपरांत नई दिल्ली में 'सबका साथ, सबका विकासः लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर वेबिनार को संबोधित करते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले लगभग साढ़े तीन वर्षों में कुल नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से पाँच समझौते पिछले 12 महीनों के दौरान संपन्न हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के परिणामस्वरूप अब वैश्विक व्यापार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा भारत के लिए खुल चुका है। इन एफटीए के माध्यम से भारत को कई अन्य देशों की तुलना में प्राथमिकता आधारित बाजार पहुंच मिल रही है, जिसमें कम आयात शुल्क और अधिक बाजार अवसर शामिल हैं। इससे व्यापार को

बढ़ाने के लिए नए रास्ते खुल रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि औषधि और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में भारत का दुनिया के साथ व्यापार अब पहले से कहीं अधिक व्यापक स्वरूप ले चुका है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) केवल बड़े उद्योगों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका लाभ किसानों, मछुआरों, एमएसएमई, छोटे उद्योगों और व्यापारियों को भी मिलता है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से चिकित्सा उपकरणों का निर्माण करने वाले मेड-टेक क्षेत्र और औषधि क्षेत्र को भी लाभ मिलता है। साथ ही नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े लोगों के लिए वैश्विक स्तर पर नए अवसर भी खुलते हैं। भारत की औषधि क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को विश्व स्तर पर 'दुनिया की फामेर्सी' के रूप में व्यापक पहचान प्राप्त हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री ठंश्ल्लर्ि टङ्क के नेतृत्व में तैयार की गई मजबूत आधारशिला के बल पर भारत आगे बढ़ते हुए वैश्विक बाजारों में नए अवसरों का लाभ उठाने में सफल होगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमृत काल के दौरान 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए भारत की यात्रा को मार्गदर्शन देने के लिए पाँच प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुनो राष्ट्रीय उद्यान में 'ज्वाला' ने पांच शावकों को जन्म दिया, भारत में चीतों की संख्या 53 हुई, भारत में जन्मे शावकों की संख्या बढ़कर 33 पहुंची

भारतीय धरती पर चीते के दसवें सफल बच्चे का जन्म; पशु चिकित्सकों और फील्ड स्टाफ के समर्पित प्रयासों, कौशल और प्रतिबद्धता को दशार्ता है : श्री भूपेंद्र यादव

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को जानकारी दी कि नामीबियाई चीता 'ज्वाला' ने, जो तीसरी बार सफलतापूर्वक मां बनी है, कुनो राष्ट्रीय उद्यान में पांच शावकों को जन्म दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मंत्री ने कहा कि इस जन्म के साथ, भारत में जन्मे स्वस्थ शावकों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है, जो भारतीय धरती पर चीतों के 10वें सफल प्रजनन का प्रतीक है और

भारत की चीता संरक्षण यात्रा में एक और महत्वपूर्ण सफलता है।

श्री यादव ने इसे 'प्रोजेक्ट चीता' के लिए अत्यंत गर्व का क्षण बताया और कहा कि यह उपलब्धि पशु चिकित्सकों, फील्ड स्टाफ और इस परियोजना से जुड़े सभी लोगों के समर्पित प्रयासों, कौशल और प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जो लगातार जमीनी स्तर पर अथक परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन शावकों के आगमन के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या 53 हो गई है।

इसे वन्यजीव संरक्षण के लिए एक ऐतिहासिक और हृदयस्पर्शी क्षण बताते हुए मंत्री महोदय ने आशा व्यक्त की कि 'ज्वाला' और उसके शावक स्वस्थ होकर आगे बढ़ेंगे और भारत की चीता गाथा को और ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका की चीता 'गामिनी' दूसरी बार मां बनी और उसने चार शावकों को जन्म दिया।

दुर्गा पूजा की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता और प्रचार-प्रसार

संस्कृति मंत्रालय की वैश्विक सहभागिता योजना के अंतर्गत दुर्गा पूजा को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अनुदान सहायता प्रदान की जाती है। वर्ष 2023 में मंत्रालय द्वारा दुर्गा पूजा हेतु 22,29,244 रुपये की राशि आवंटित की गई थी ताकि यूनेस्को को प्रस्तुत किया जा सके। सितंबर 2025 में संगीत नाटक अकादमी ने टोक्यो में भारतीय बंगाली समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन इप्पन शादान होउजिन इंडोजिनो त्सुदोई के साथ दुर्गा पूजा समारोह का एक वीडियो साझा किया। जो उत्साह के साथ मना रहा था। 8-13 दिसंबर 2025 को दिल्ली के लाल किले में आयोजित अंतर-सरकारी समिति की बैठक के दौरान 190 से अधिक प्रतिभागी देशों के प्रतिनिधियों और यूनेस्को के अधिकारियों के समक्ष एक पारंपरिक धुनुची नाच का प्रदर्शन किया गया।

सम्पादकीय

ईरान पर हमले की कीमत?

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ तो नेतन्याहू के उकसावे पर युद्ध तो शुरू कर दिया पर उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि यह लड़ाई लम्बी और महंगी पड़ सकती है। जो संघर्ष चार दिन में खत्म होने की भविष्यवाणी की जा रही थी वह आज दसवें दिन भी खत्म होना तो दूर की बात वह बढ़ती जा रही है। अमेरिका को सैनिकों की मौत और आर्थिक मार मार झेलनी पड़ रही है जिसका उसने कभी अनुमान भी नहीं लगाया होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने अब संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की यह लड़ाई 4-5 हफ्ते तक चल सकती है। वाशिगटन स्थित थिंक टैंक सीएसआईएस और व्रिस पार्व द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत जंग के पहले 100 घंटों में अमेरिका को लगभग 3.7 अरब डॉलर (करीब 31,000 करोड़ रुपए) खर्च उठाना पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार युद्ध के शुरूआती 100 घंटों में अमेरिका का औसत खर्च लगभग 891 मिलियन डॉलर प्रातिदिन यानि करीब 90 करोड़ डॉलर रोज रहा है। शुरूआती चरण में सबसे अधिक खर्च महंगी मिसाइलों, हथियारों और बमों के इस्तेमाल पर हुआ है, इसलिए शुरूआती दिनों में लागत सबसे अधिक है। थिक टैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि 1.7 अरब डॉलर पैट्रियट जैसे एयर डिपेंस इंटरसेप्टर सिस्टम पर खर्च किए गए हैं जबकि 1.5 अरब डॉलर मिसाइलों और अन्य आव्रमक हथियारों पर किए गए हैं। इसके अलावा 125 मिलियन डॉलर लड़ावू विमानों और हवाई अभियानों के परिचालन पर खर्च किए गए हैं। सीएसआईएस के मुताबिक खर्च में से केवल लगभग 200 बिलियन डॉलर ही पहले से अमेरिकी रक्षा बजट में शामिल था जबकि करीब 3.5 अरब डालर का खर्च अतिरिक्त है, जिसके लिए अलग से पंड की जरूरत पड़ सकती है। इसका मतलब है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय को जल्द ही युद्ध जारी रखने के लिए अतिरिक्त बजट की मांग करनी पड़ सकती है। इसके अलावा कतर, जार्डन, यूएई में जो एयर डिपेंस के रडार व अन्य यंत्र जो तबाह हुए हैं जिनकी कीमत अरबों डॉलर रही है का तो हिसाब ही नहीं है। रिपोर्ट का अनुमान है कि युद्ध के पहले 100 घंटों में अमेरिका के 2000 से अधिक प्राकर के हथियार और मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। इन हथियारों के स्टाक को दो बार भरने में लगभग 3.1 अरब डॉलर खर्च हो सकते हैं। थिक टैंक ने अपने आंकलन में कहा है कि युद्ध का मानवीय नुकसान भी तेजी से बढ़ रहा है। ईरान में ही लगभग 1500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 180 छोटी बच्चियां भी शामिल हैं जिनके स्कूल पर अमेरिका ने बहरीन से बम मारा। अमेरिका के कितने सैनिक मरे हैं यह संख्या भी बहुत हो सकती है। अमेरिका ने फिलहाल 6-7 सैनिकों के मरने की पुष्टि की है। पर ईरानी दावा कर रहे हैं कि यह संख्या सैंकड़ों में है। खर्च के अलावा, कुवैत में फ्रेंडली फायर की घटना में तीन अमेरिकी एफ-15 लड़ावू विमान गिर गए। बता दें कि एक एफ-15 अत्याधुनिक फाइटर जेट की कीमत लगभग 800 करोड़ रुपए है। ईरान पर हमला करते वक्त अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप ने शायद यह सोचा भी नहीं होगा कि यह जंग उसे कितनी महंगी पड़ेगी। लड़ाई लंबी खिचने और ईरानी जवाबी कार्रवाई ने ट्रंप की नींद उड़ा रखी है। आए दिन वह धमकियों पर उतर आए हैं। ट्रंप फंस तो गए हैं पर बाहर वैसे निकलें ये उन्हें समझ नहीं आ रहा है। युद्ध के अलावा अंदरूनी राजनीतिक दबाव, एपस्टीन फाइल, सहयोगी अरब मुल्कों का दबाव यह सब अमेरिका और ट्रंप पर भारी पड़ रहा है। हताश होकर ट्रंप कोई ऐसा कदम न उठा लें जिससे पूरी दुनिया सकते में आ जाए?

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत की अंतरिक्ष, परमाणु और रणनीतिक खनिज क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का दौरा किया

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा – भारत की अंतरिक्ष, परमाणु और अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने से छात्रों की योग्यता को प्रज्वलित करने और उनकी आंतरिक प्रतिभा की खोज करने में मदद मिलती है

अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणालियों से लेकर थोरियम कार्यक्रम तक: प्रदर्शनी भारत के विज्ञान और ऊर्जा रोडमैप को दशार्ती है

डॉ जितेंद्र सिंह ने आयोजकों को सलाह दी कि वे इस प्रदर्शनी में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के दौरे की व्यवस्था करें और प्रदर्शनियों के लघु सोशल मीडिया संस्करण तैयार करने का भी प्रयास करें

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, 9 मार्चः केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि भारत की अंतरिक्ष, परमाणु और अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने से छात्रों की योग्यता और उनकी आंतरिक प्रतिभा की खोज करने में मदद मिलती है।

डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा विकास और रणनीतिक खनिज अन्वेषण में भारत की प्रगति को दिखाने वाली एक प्रदर्शनी के दौरे पर थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आयोजकों को सलाह दी कि वे इस प्रदर्शनी में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के दौरे की व्यवस्था करें और प्रदर्शनियों के लघु सोशल मीडिया संस्करण तैयार करने का भी प्रयास करें।

प्रदर्शनी में प्रक्षेपण यानों, उपग्रह प्रणालियों और मानव अंतरिक्ष उड़ान पहलों में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया। प्रस्तुत की गई जानकारी में देश के प्रक्षेपण यान के बेड़े को प्रदर्शित किया गया। इसमें ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान, भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान और एलवीएम3 हेवी-लिफ्ट रॉकेट शामिल हैं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का समर्थन करते हैं। भारत ने सौ से अधिक प्रक्षेपण मिशन आयोजित किए हैं। इसमें संचार, नेविगेशन, पृथ्वी अवलोकन और वैज्ञानिक अनुसंधान का समर्थन करने वाले सैकड़ों उपग्रहों को तैनात किया गया है।

इन सामग्रियों ने अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए भारत के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया। इसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान प्रणाली, चालक दल और सेवा मॉड्यूल का विकास और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की अवधारणा शामिल है। इसे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के रूप में जाना जाता है। इसका उद्देश्य पृथ्वी की निचली कक्षा में निरंतर मानव उपस्थिति को सक्षम करना और माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान की सुविधा प्रदान करना है। देश के व्यापक अंतरिक्ष रोडमैप के हिस्से के रूप में चंद्र अन्वेषण, गहरे अंतरिक्ष अध्ययन और उपग्रह-आधारित सेवाओं के विस्तार से संबंधित भविष्य के मिशनों को रेखांकित किया गया।

भारत के उपग्रह अनुप्रयोग इकोसिस्टम को मौसम पूवार्नुमान, नेविगेशन प्रणाली, संचार नेटवर्क, आपदा प्रबंधन और कृषि निगरानी सहित शासन और विकास का समर्थन करने वाली सेवाओं के उदाहरणों के माध्यम से भी परिलक्षित किया गया था।

अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ-साथ, प्रदर्शनी में भारत की परमाणु ऊर्जा वास्तुकला और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा का समर्थन करने के लिए अपने खनिज संसाधनों का उपयोग करने के लिए देश की रणनीति को दिखया गया। प्रस्तुत की गई जानकारी में झारखंड, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक सहित कई राज्यों के साथ-साथ हिमालयी क्षेत्र के क्षेत्रों में यूरेनियम युक्त भूवैज्ञानिक संरचनाओं के वितरण का मानचित्रण किया गया है। यहां भूवैज्ञानिक अन्वेषण के माध्यम से यूरेनियम भंडार की पहचान की गई है।

देश के तीन चरणों वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को भारत के थोरियम भंडार का लाभ उठाते हुए सीमित घरेलू यूरेनियम संसाधनों का उपयोग करने के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी समझाया गया था। पहला चरण प्राकृतिक यूरेनियम ईंधन का उपयोग करते हुए दाबित भारी पानी रिएक्टरों पर आधारित है, दूसरा चरण फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों पर केंद्रित है जो खपत की तुलना में अधिक आण्विक सामग्री उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। तीसरे चरण में थोरियम आधारित ईंधन चक्रों का उपयोग करने में सक्षम उन्नत रिएक्टर प्रणालियों की परिकल्पना की गई है।

भारत के तटीय खनिज संसाधनों से संबंधित जानकारी ने देश के लगभग 11,000 किलोमीटर के समुद्र तट के साथ आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण भारी खनिजों की उपस्थिति को रेखांकित किया। इनमें इल्मेनाइट, रूटाइल, जिक्रोन, मोनाजाइट, गार्नेट और सिलिमेनाइट शामिल हैं। यह तटीय प्लेसर जमा में पाए जाते हैं। परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय इन भंडारों की औद्योगिक और रणनीतिक क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए व्यवस्थित अन्वेषण और मूल्यांकन करता है।

प्रदर्शनी में भारत के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े परमाणु अनुसंधान संस्थानों, ईंधन चक्र सुविधाओं और बिजली उत्पादन के बुनियादी ढांचे के भौगोलिक प्रसार को भी दशार्या गया। यह ऊर्जा उत्पादन, सामग्री अनुसंधान और उन्नत वैज्ञानिक कार्यों का समर्थन करने में इन संस्थानों की भूमिका को दशार्ता है।

भारत के अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रम देश के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जबकि अंतरिक्ष क्षेत्र संचार, नेविगेशन, पृथ्वी अवलोकन और उभरती वाणिज्यिक अंतरिक्ष गतिविधियों में अपनी भूमिका का विस्तार करना जारी रखता है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम कम कार्बन ऊर्जा क्षमता और तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करते हुए बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत की दीर्घकालिक रणनीति के केंद्र में बना हुआ है।

कलर्स ने डिजिटल स्कैम्स के दौर में प्यार को नया ताजगीभरा रंग दिया अपने प्राइमटाइम ड्रामा 'दो दुनिया एक दिल' के साथ @ रात 9:00 बजे

आज की दुनिया में सब कुछ बस एक क्लिक पर है—शॉपिंग, डेटिंग, कनेक्शन और धोखाधड़ी भी। ज़िंदगी स्क्रीन और असल पलों के बीच खेली जाती है। प्यार ऊ्टर में शुरू हो सकता है, लेकिन सच्चाई बिना फि ल्टर सामने आती है। इसी ऑनलाइन और ऑफलाइन दुनिया के बीच के फर्क को दिखाते हुए कलर्स लेकर आया है 'दो दुनिया एक दिल', एक दिलचस्प प्रेमकथा जिसमें वर्चुअल वैलिडेशन और असली जज्बात आमने-सामने आते हैं। एसओएल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस शो में विक्रम सिंह चौहान शिवाय के किरदार में, राची शर्मा आध्या के रूप में और सुधांशु पांडे बलदेव सिंह के रूप में नजर आएंगे। 'दो दुनिया एक दिल' सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सिर्फ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

इस ड्रामा के केंद्र में है शिवाय कन्नौज शहर का एक तेज-तर्रार, खुद से बना टेक उद्यमी, जिसने कभी विश्वास किया था कि इंटरनेट ज़िंदगियाँ बदल सकता है। लेकिन एक धोखाधड़ी ने उसकी मेहनत की कमाई छीन ली और डिजिटल दुनिया पर उसका भरोसा तोड़ दिया। इसी हादसे ने उसे स्क्रीन से दूर कर दिया और उसने ठान लिया कि अब वह कुछ असली तलाश करेगा। इसके बिल्कुल उलट है आध्या एक करिश्माई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिसकी ज़िंदगी रील्स, रीच और रिलवेंस पर टिकी है। उसके लिए दिखना ही ताकत है और ऑनलाइन दुनिया ही उसका घर। जब किस्मत दोनों को आमने-सामने लाती है, तो चिंगारियाँ उठती हैं और मोहब्बत परवान चढ़ती है। लेकिन शिवाय को इस सच्चाई का अंदाजा नहीं है कि आध्या दरअसल बलदेव सिंह की बेटी है आगरा का सबसे ताकतवर बिल्डर, जिसकी पकड़ शहर पर हावी है और जिसकी परछाई शिवाय की ज़िंदगी पर भी गहरी है। ताजमहल की सदाबहार विरासत की पृष्ठभूमि में यह रोमांस खुलता है—जहाँ शान-ओ-शौकत, महत्वाकांक्षा और हाई-स्टेक्स ड्रामा साथ चलते हैं। जैसे-जैसे जुनून गहराता है और राज सामने आते हैं, 'दो दुनिया एक दिल' एक दिलचस्प कहानी बुनता है—प्यार और टकराव की, जहाँ ऑनलाइन दुनिया की बनाई हुई पहचान और ऑफलाइन दुनिया की सच्चाई के बीच की नाजुक रेखा पर रिश्ते चलते हैं।

इस केंद्रीय थीम को आगे बढ़ाते हुए, कलर्स ने भारतीय साइबरक्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (क्व४उ) के साथ साझेदारी की है और अपने नए शो 'दो दुनिया एक दिल' के जरिए पहली बार एक अनोखा साइबरक्राइम जागरूकता अभियान शुरू किया है। ऑन-स्क्रीन अलर्ट्स दर्शकों को साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज करने के लिए 1930 पर कॉल करने या ट्टी१ॄ१ी.ङ्क्ष५.ल्ल पर जाने के लिए प्रेरित करेंगे। ग्राउंड और डिजिटल एक्टिवेशन्स उन भावनात्मक ट्रिगर्स को दोबारा रचते हैं जिनका इस्तेमाल ठग लोग करते हैं—जैसे जल्दबाजी, जिज्ञासा और भरोसा—ताकि दर्शक असली खतरों को तुरंत पहचान सकें। एक सीरीज ऑफ अवेयरनेस फि ल्म्स भारत में सबसे आम ठगी के तरीकों को सामने लाती है—ڈळढ फ्रॉड, पहचान छिपाकर धोखा देना, खतरनाक लिंक और बहुत कुछ। इन फि ल्मों के जरिए दर्शकों को व्यावहारिक टूल्स दिए जाते हैं ताकि वे सुरक्षित रह सकें।

जियोस्टार के प्रवक्ता आलोक जैन ने कहा, 'कलर्स में कहानी कहने का अंदाज हमेशा हमारी दुनिया की सच्चाइयों को दशार्ता रहा है। 'दो दुनिया एक दिल' हमारी बढ़ती डिजिटल ज़िंदगी की जटिलताओं को सामने लाता है और इसी कहानी के जरिए हम समाज में फैले आम ठगी के तरीकों पर जागरूकता बढ़ाना चाहते थे। साथ ही, यह शो पूरी तरह से असलियत में जड़ें जमाए हुए है। अपनी कहानी और विजुअल्स के जरिए हम दर्शकों को कन्नौज की असली पहचान दिखा रहे हैं उसकी संस्कृति और गलियों से लेकर उसके मशहूर इत्र की विरासत तक ताकि देशभर के दर्शक इस ऐतिहासिक शहर की रूह को स्क्रीन पर महसूस कर सकें। क्व४उ जैसे मजबूत संस्थान के साथ हेल्पलाइन जानकारी और जागरूकता अभियानों को काल्पनिक दुनिया में सहजता से जोड़कर हम ऐसा असर बना रहे हैं जो स्क्रीन से कहीं आगे तक जाता है। हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल्स में अग्रणी होने के नाते हम मानते हैं कि भरोसे के साथ ज़िम्मेदारी भी आती है। जब मनोरंजन जानकारी भी देता है और जोड़ता भी है, तो उसमें असली बदलाव लाने की ताकत होती है।'

क्व४उ के निदेशक निशांत कुमार ने कहा, 'साइबरक्राइम अब कोई दूर या तकनीकी चीज नहीं रह गया है; यह हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी का खतरा बन चुका है। एक क्लिक से ही वित्तीय नुकसान, इज्जत और भरोसा दांव पर लग सकता है, लेकिन लगातार सतर्क रहकर इसे रोका जा सकता है। जब मनोरंजन सामाजिक ज़िम्मेदारी को अपनाता है, तो वह असली दुनिया के व्यवहार को आकार देता है। हमें खुशी है कि कलर्स, जो देशभर के लाखों घरों तक पहुँचता है, अपना नया शो 'दो दुनिया एक दिल' लॉन्च कर रहा है ताकि साइबरक्राइम के खिलाफ सार्थक जागरूकता फैलाई जा सके। हम सभी से अपील करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट 1930 पर कॉल करके या ट्टी१ॄ१ी.ङ्क्ष५.ल्ल पर जाकर करें—तेज कार्रवाई ही सबसे बड़ा फर्क लाती है।' विक्रम सिंह चौहान (शिवाय) ने कहा, 'शिवाय मानता है कि ईमानदारी से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। वह डिजिटल दुनिया में कुछ असली चाहता है, जहाँ हर पल हकीकत को एडिट किया जाता है। मुझे पूरा यकीन है कि देशभर के अनगिनत लोग उससे जुड़ाव महसूस करेंगे। उसकी कहानी उस सच्चाई को पकड़ती है जिसका सामना कई परिवारों ने किया है या करने से डरते हैं—ठगी, गलत जानकारी और डिजिटल शोषण सिर्फ. पैसे नहीं चुराते, वे सुकून छीन लेते हैं और गहरी चोट पहुँचाते हैं। शिवाय दिल से एक कवि है, जो ध्यान खींचने की बजाय वर्तमान में जीना और भावनाओं को महसूस करना पसंद करता है। लेकिन उसकी हर ठानी हुई बात को आध्या चुनौती देती है। दर्शक एक हाई-वोल्टेज प्रेमकथा का अनुभव करेंगे, जो यह सवाल उठाती है कि क्या रोमांस उस दौर में टिक सकता है जहाँ ध्यान आकर्षित करना ही सबसे बड़ा जुनून बन चुका है।'

राची शर्मा (आध्या) ने कहा, 'इन्फ्लुएंसर्स का जबरदस्त उभार हुआ है और आध्या उसी दुनिया से सहज रूप से जुड़ी है। उसे एल्गोरिद्म की समझ है, लाइक्स और विज़िबिलिटी की करेंसी का महत्व पता है। लेकिन अक्सर उसकी पीढ़ी को कठोरता से जज किया जाता है। सच्चाई यह है कि आज कई युवाओं के लिए डिजिटल स्पेस ही वह जगह है जहाँ वे अपनी आवाज और आर्थिक स्वतंत्रता खोजते हैं। आध्या के लिए यह और भी व्यक्तिगत है—वह एक अस्थिर परिवार से आती है और ऑनलाइन यूनिवर्स उसके लिए एक तरह का सहारा बन जाता है। लेकिन जिस चीज के लिए वह तैयार नहीं है, वह है ऐसा प्यार जो उसे उसके फोन, उसके फीड और वैलिडेशन की जरूरत से दूर कर देता है। दर्शक दो बिल्कुल विपरीत सोच रखने वाले लोगों की बिजली जैसी केमिस्ट्री देखेंगे, जो यह कोशिश कर रहे हैं कि प्यार को कामयाब बनाया जा सके।' सुधांशु पांडे (बलदेव सिंह चौहान) ने कहा, 'बलदेव ऐसा इंसान है जो सिस्टम को बहुत अच्छी तरह समझता है और उसके ग्रे एरिया में काम करना जानता है। उसे खास तौर पर असहज बनाने वाली बात यह है कि वह खुद को गलत नहीं मानता, बल्कि ईमानदारी से विश्वास करता है कि वह बस सिस्टम को दूसरों से बेहतर खेल रहा है। लेकिन इसके पीछे एक गहरी कहानी भी है जिसने उसकी सोच और उसके फैसलों को आकार दिया है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, दर्शक धीरे-धीरे जान पाएंगे कि उसे वह इंसान बनने के लिए किन हालातों ने मजबूर किया, और मुझे लगता है कि यह सफर देखना बेहद दिलचस्प होगा।'

प्यार ने भेजा है नोटिफिकेशनङ्कपर विलेन की बेटी के साथ कैसे जुड़ेगा कनेक्शन? देखिए 'दो दुनिया एक दिल', सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे, सिर्फ. कलर्स और जियोहॉटस्टार

भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों की समीक्षा की

(जीएनएस)।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर आज कोलकाता में आगामी पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों की विस्तृत और व्यापक समीक्षा की।

समीक्षा दौरे के समय, आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों जैसे आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रतिनिधियों और राज्य के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों जैसे अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की और उनके सुझाव मांगे।

अधिकांश राजनीतिक दलों ने पश्चिम बंगाल राज्य में निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे एसआईआर की व्यापक प्रक्रिया की सराहना की और निर्वाचन आयोग पर अपना पूरा विश्वास जताया।

राजनीतिक दलों ने आयोग से आगामी चुनावों के दौरान मतदाताओं के साथ किसी भी प्रकार की आक्रामकता या धमकी को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने निर्वाचन आयोग से शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्वाचन आयोग से प्रत्येक मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने और चुनाव के दौरान हिंसा को रोकने के लिए बड़ी संख्या में सीएपीएफ तैनात करने का आह्वान किया। पार्टियों ने कुछ दलों द्वारा कच्चे बमों, अवैध हथियारों, धन और बाहुबल के इस्तेमाल की आशंका को लेकर चिंता व्यक्त की। राजनीतिक दलों ने आयोग से एक या दो चरणों में चुनाव कराने का आग्रह किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वासन दिया कि देश में चुनाव कानून के अनुसार होते हैं और निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग मतदाताओं या निर्वाचन कर्मचारियों के खिलाफ हिंसा और धमकी के प्रति बिल्कुल भी सहनशीलता नहीं दिखाएगा। राजनीतिक दलों ने आयोग को आश्वासन दिया कि वे पश्चिम बंगाल में हिंसा-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने में पूरा सहयोग करेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने दोहराया कि मतदाता सूची निरीक्षण (एसआईआर) को पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित किया गया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के नाम जोड़ने/हटाने/परिवर्तन के लिए फॉर्म 6/7/8 अभी भी भरे जा सकते हैं।

बाद में, आयोग ने प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों/नोडल अधिकारियों, आईजी, डीआईजी, संभागीय आयुक्तों, पुलिस आयुक्तों, डीईओ और एसएसपी/एसपी के साथ निर्वाचन की योजना, ईवीएम प्रबंधन, रसद, निर्वाचन कर्मचारियों के प्रशिक्षण, जब्ती, कानून व्यवस्था, मतदाता जागरूकता और जनसंपर्क से जुड़ी गतिविधियों के हर पहलू पर विस्तृत समीक्षा की।

आयोग ने प्रवर्तन एजेंसियों के सभी प्रमुखों/नोडल अधिकारियों को पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने और प्रलोभन से संबंधित सभी गतिविधियों पर सख्ती से नकेल कसने का निर्देश दिया।

आयोग ने सभी मतदान अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आईईपीएफए और एनसीएईआर द्वारा संयुक्त रूप से निवेशक शिक्षा और संरक्षण कार्यशाला का आयोजन

(जीएनएस)।

भारत सरकार के कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष प्राधिकरण (आईईपीएफए) ने राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) और सैफायर इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा छात्रों और महिलाओं में वित्तीय साक्षरता, निवेशक जागरूकता और डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना था, ताकि वित्तीय रूप से सशक्त और समावेशी समाज की परिकल्पना को बल मिल सके।

कार्यशाला का मुख्य विषय था 'भविष्य अभी हैः युवा पीढ़ी के लिए वित्तीय शिक्षा और विकसित भारत के लिए लैंगिक अंतर को पाटना'। इसमें नीति निमार्ताओं, वित्तीय विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भारत की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में जिम्मेदार वित्तीय व्यवहार और लैंगिक समानता वाली वित्तीय भागीदारी के महत्व पर साथ मिलकर चर्चा में भाग लिया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, सैफायर इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य सुश्री एकता सोनी ने युवा शिक्षार्थियों विशेष रूप से लड़कियों को, वित्तीय ज्ञान से लैस करने के महत्व पर प्रकाश डाला ताकि उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता विकसित हो सके।

अपने मुख्य भाषण में, आईईपीएफए की सीईओ और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुश्री अनीता शाह अकेल्ला ने इस बात पर बल दिया कि भारत में डिजिटल भुगतान में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में युवा नागरिकों को सुरक्षित वित्तीय आदतें विकसित करने और साइबर धोखाधड़ी से बचने में मदद करने के लिए प्रारंभिक वित्तीय शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने वित्तीय जागरूकता और सूचित निर्णय लेने के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने के महत्व को भी रेखांकित किया। एनसीएईआर के आईईपीएफ चेयर प्रोफेसर डॉ. सी. एस. मोहपात्रा द्वारा संचालित पैनल चर्चा में भारत के डिजिटल परिवर्तन के साथ वित्तीय शिक्षा को संरेखित करने और वित्तीय आत्मविश्वास और पहुंच में लैंगिक अंतर को दूर करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. सोनल टिक्कू, सुश्री हिमानी लाथ और सीएस शिवम शर्मा सहित विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा, वित्तीय नियोजन, नैतिक वित्तीय प्रथाओं और नियामक जागरूकता पर अपने विचार साझा किए।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

यूपी के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट, तो लखनऊ में जून जैसी गर्मी; अदकने भी चिंता बढ़ाई

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में मार्च की शुरूआत के साथ ही गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं. तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को दिन के समय खासा परेशान होना पड़ रहा है. आइये जानते हैं मौसम विभाग के अनुसार क्या आने वाले दिनों में बारिश गर्मी से थोड़ी राहत देगी या

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क बना रहेगा. पिछले 24 घंटों के आंकड़ों पर नजर डालें तो आगरा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसके अलावा कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी में भी तापमान में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

कई इलाकों हल्की बारिश की संभावना

वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में हल्के बदलाव के संकेत मिल रहे हैं. 10 और 11 मार्च के बीच कुछ जिलों में बादल छाए रहने और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है. इस दौरान 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जबकि कुछ स्थानों पर हवा की गति 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है.

लखनऊ का मौसम (छ्ठ्ठ' ल्लङ्ग्द हींड्ठ्१ वस्र्ब्३ि)

राजधानी लखनऊ में 10 मार्च को अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. तापमान के साथ ही शहर में हवा की गुणवत्ता भी खराब होती जा रही है. सोमवार शाम साढ़े सात बजे लखनऊ का औसत अदक213 दर्ज किया गया, जो गंभीर स्थिति दशार्ता है.

कई इलाकों में चलने लगे अउ कूलर

प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान पहले ही 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है. झांसी, आगरा समेत कई शहरों में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है. रात के समय भी उमस और गर्मी का अहसास होने लगा है, जिसके चलते कई घरों में कूलर और एसी चलने लगे हैं.

पीलीभीत पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर फरियादियों की शिकायतों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जिले की जनता की सेवा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के सख्त निर्देशों के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में पहुंचे फरियादियों की विभिन्न समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना। उन्होंने हर शिकायत को गंभीरता से लिया और गुणवत्तापूर्ण तथा समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित थाना प्रभारियों, चौकी इंचार्जों एवं अन्य अधिकारियों को तत्काल निर्देश जारी किए।पुलिस कार्यालय में आये फरियादियों ने भूमि विवाद, पारिवारिक झगड़े, चोरी-डकैती की घटनाओं, महिलाओं से संबंधित उत्पीड़न तथा अन्य सामान्य शिकायतों को रखा। अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक मामले पर

व्यक्तिगत रूप से चर्चा की तथा आवश्यक दस्तावेजों का अवलोकन कर त्वरित जांच एवं कार्रवाई के आदेश दिए। इस पहल से फरियादियों में काफी संतोष का भाव दिखाई दिया तथा उन्होंने पुलिस प्रशासन की इस संवेदनशीलता की सराहना की।पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान ही विभाग का मुख्य उद्देश्य है। इसके तहत नियमित रूप से फरियादियों की सुनवाई सत्र आयोजित किए जाएंगे। अपर पुलिस अधीक्षक ने भी कहा कि कोई भी शिकायत लंबित नहीं रहेगी तथा सभी मामलों का एक निश्चित समयसीमा के भीतर निपटारा किया जाएगा। यह कदम जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ जन-आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देगा।इस अवसर पर पुलिस टीम के कई अधिकारी भी मौजूद रहे। फरियादियों ने बताया कि पहले शिकायतों के निस्तारण में देरी होती थी, लेकिन अब ऐसी पहल से उन्हें तुरंत राहत मिल रही है। पुलिस विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे अपनी शिकायतें सीधे कार्यालय में दर्ज कराएं ताकि त्वरित न्याय मिल सके।

चाचा की हत्या की धमकी देकर युवती से दुष्कर्म, ब्लैकमेलर गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत,न्यूरिया क्षेत्र के एक गांव में एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती को उसके चाचा की हत्या का हवाला देकर जान से मारने की धमकी दी और लंबे समय तक ब्लैकमेल किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, गांव का निवासी राजेश कुमार काफी समय से युवती पर जबरन संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। विरोध करने पर आरोपी उसे धमकी देता था कि जिस तरह उसके चाचा की हत्या हुई थी, उसी तरह उसे भी मार देगा। इस धमकी के कारण युवती लंबे समय तक चुप रही।

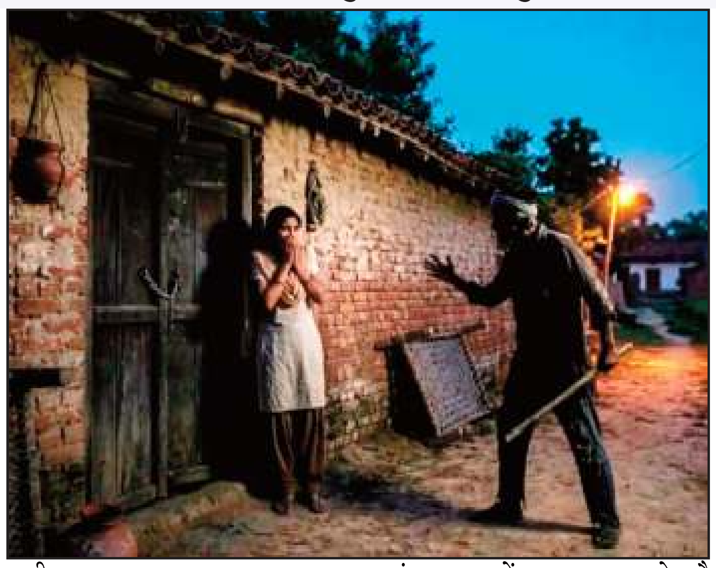

घटना शुक्रवार रात करीब 11 बजे की है। पीड़िता अपने घर में सो रही थी, तभी आरोपी राजेश दीवार फांदकर घर में घुस गया। आरोप है कि उसने युवती का मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती के विरोध करने और शोर मचाने पर घर के अन्य सदस्य जाग गए और मौके पर पहुंच गए।

परिजनों ने भाग रहे आरोपी राजेश को मौके पर ही पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद भी आरोपी ने परिजनों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

परिजनों ने तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। थाना अध्यक्ष सुभाष मावी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

बदलता खनन क्षेत्र : सतत खनन पुनर्स्थापन की दिशा में एनएलसी इंडिया लिमिटेड की यात्रा

(जीएनएस)।

केंद्र सरकार के कोयला मंत्रालय के अधीन नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) ने अपनी लिग्नाइट खनन परियोजनाओं में व्यवस्थित खदान पुनर्स्थापन और पारिस्थितिक विकास पहलों के माध्यम से सतत खनन और पर्यावरण पुनर्स्थापना के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

उत्तरदायी खनन और पर्यावरणीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए कंपनी ने खनन-उपरांत क्षेत्रों का व्यापक भौतिक तथा जैविक पुनरग्रहण किया है। ओवरबर्डन डंप और बैकफील्ड भूमि को धीरे-धीरे हरे-भरे भूदृश्यों, इको-पार्कों, जल निकायों और उत्पादक कृषि क्षेत्रों में परिवर्तित किया गया है, जो दशार्ता है कि खनन किए गए भूभागों को पारिस्थितिक और सामुदायिक हित में कैसे बहाल किया जा सकता है।

बड़े पैमाने पर खदान पुनर्स्थापन

एनएलसीआईएल के सुधार प्रयासों के परिणामस्वरूप खनन से प्रभावित भूमि का महत्वपूर्ण पुनर्स्थापन हुआ है। 28 फरवरी 2026 तक कंपनी द्वारा कुल 6,571 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन किया गया, जिसमें से 3,236 हेक्टेयर का भौतिक पुनर्स्थापन तथा और 2,866 हेक्टेयर का जैविक पुनर्स्थापन किया जा चुका है। वृक्षारोपण गतिविधियां भी व्यापक रूप से चलाई गई हैं, जिसके तहत खनन क्षेत्रों में 33.95 लाख पौधे लगाए गए हैं।

इको-पर्यटन स्थलों में परिवर्तित खदान क्षेत्र

नेवेली में खनन के बाद पुनर्निर्मित क्षेत्रों को इको-पर्यटन स्थलों में विकसित किया गया है। 23 जुलाई, 2020 को वृक्षारोपण अभियान के दौरान तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा माइन-1 इको-पर्यटन पार्क का उद्घाटन किया गया था। इसके बाद, 19 अगस्त, 2021 को तत्कालीन केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री द्वारा माइन-क्क इको-पर्यटन पार्क का उद्घाटन किया गया।

इन इको-पर्यटन पार्कों में खदान पुनर्भरण क्षेत्रों में निर्मित कृत्रिम झीलों में पर्यावरण-अनुकूल नौकायन सुविधाएं, सुशोभित उद्यान और फलों के बाग, पक्षी अवलोकन क्षेत्र, हिरण बाड़े, नर्सरी और मिस्टट चैंबर जैसी सुविधाएं उपलब्ध मौजूद हैं। पुनर्ग्रहित ओवरवडन भूमि पर कृषि क्षेत्र भी विकसित किए गए हैं।

एनएलसीआईएल के माइन-क और माइन-क्क सहित पुनर्ग्रहीत क्षेत्र अब धीरे-धीरे समृद्ध पारिस्थितिक आवासों के रूप में विकसित हो गए।

जो विविध प्रकार के वन्यजीवों को आकर्षित करते हैं और जहां 107 प्रजातियों के प्रवासी पक्षी देखे गए हैं। इनमें एशियाई कोयल, ब्लैक-हेडेड मुनिया, ब्लैक काइट, एशियाई पैराडाइज फ्लाईकैचर, एशियाई ग्रीन बी-ईटर और एशियाई ब्राउन फ्लाईकैचर शामिल हैं।

पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए एनएलसीआईएल ने 5 अक्टूबर 2022 को पांडिचेरी पर्यटन विकास निगम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद इको-टूरिज्म सुविधा को 2 अक्टूबर, 2025 से सप्ताहांत और अवकाश के दिनों में आम जनता के लिए खोल दिया गया।

वनस्पति उगने के बाद बाहरी डंप ढलान का दृश्य।

मरु उद्यानः जहां औद्योगिक प्रगति प्रकृति से मिलती है

राजस्थान के बीकानेर जिले के बारसिंगसर में एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा विकसित "मरु उद्यान-एक मरुस्थलीय इको पार्क" इस बात का एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण किस तरह एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। बारसिंगसर परियोजना, जो तमिलनाडु के बाहर एनएलसीआईएल की पहली परियोजना है, लिग्नाइट खनन, तापीय विद्युत उत्पादन और सौर ऊर्जा उत्पादन को एकीकृत करती है। खनन कार्य 2006 में शुरू हुआ और ऊर्जा उत्पादन में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है, वहीं कंपनी ने साथ ही साथ पर्यावरणीय पुनर्स्थापन को भी प्राथमिकता दी है। खनन से प्रभावित भूमि का पुनर्वास 2016 में शुरू हुआ और 2019 से जैव-पुनर्ग्रहण गतिविधियों में तेजी आई, जिसके परिणामस्वरूप निरंतर और वैज्ञानिक प्रयासों के माध्यम से लगभग 40 हेक्टेयर क्षेत्र को सफलतापूर्वक हरित किया गया है।

सतत विकास की इस परिकल्पना के अंतर्गत लगभग दो हेक्टेयर क्षेत्र में एक पर्यावरण-अनुकूल पार्क बनाया गया है। 2024 में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी द्वारा वृक्षारोपण अभियान शुरू करने और पर्यावरण-अनुकूल पार्क की नींव रखने के बाद इस पहल को नई गति मिली। आज मरू उद्यान पारिस्थितिक बहाली का एक जीवंत उदाहरण है, जिसमें बच्चों के मनोरंजन की सुविधाएं, एक वनस्पति उद्यान, एक पुष्प दीर्घा, जल संचयन संरचनाएं और श्रमिकों के विश्राम के लिए पर्यावरण-अनुकूल झोपड़ियां मौजूद हैं। यहां खेजड़ी, नीम, अमलतास और शीशम सहित इक्कीस प्रजातियों के वृक्ष लगाए गए हैं, जो मरुस्थलीय भू-क्षेत्र में नई हरियाली के विकास में योगदान दे रहे हैं।

सामुदायिक लाभ के लिए खदान जल का उपयोग

नेवेली में खुली खदानों में लिग्नाइट की खुदाई के दौरान काफी बारिश होती है, औसतन लगभग 1200 मिमी प्रति वर्ष।

ईद के बाद शुरू कराए यूपी बोर्ड कॉपियों का मूल्यांकन सरकारः महेंद्र सिंह

जैसे होली-दीवाली हिंदू समाज के बड़े पर्व हैं, वैसे ही ईद भी मुस्लिम समाज का महत्वपूर्ण त्योहारः महेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

लखनऊ। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने योगी आदित्यनाथ सरकार से मांग की है कि यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य ईद-उल-फितर के बाद शुरू कराया जाए, ताकि शिक्षक अपने धार्मिक पर्व को सम्मानपूर्वक मना सकें। महेंद्र सिंह ने कहा कि जिस प्रकार हिंदू समाज के लिए होली और दीवाली अत्यंत महत्वपूर्ण और बड़े पर्व होते हैं उसी प्रकार मुस्लिम समाज के लिए ईद भी बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण त्योहार है। सरकार का दायित्व है कि वह सभी धर्मों और समुदायों की भावनाओं का समान रूप से सम्मान करे और ऐसा कोई निर्णय न ले जिससे किसी समुदाय को अपने त्योहार मनाने में असुविधा हो।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा मूल्यांकन कार्य 18 मार्च से शुरू कराने की तैयारी की जा रही है, जबकि इसी अवधि में 20 मार्च को अलविदा जुमे की नमाज और 21 मार्च को ईद-उल-फितर का महत्वपूर्ण पर्व पड़ रहा है। मूल्यांकन कार्य के दौरान अक्सर सार्वजनिक अवकाश भी निरस्त कर दिए जाते हैं और रविवार को भी कॉपियों की जांच कराई जाती है। ऐसी स्थिति में हजारों शिक्षक, विशेषकर मुस्लिम शिक्षक, अपने सबसे बड़े धार्मिक पर्व को परिवार और समाज के साथ पूरी तरह से नहीं मना सकेंगे। यह शिक्षकों की भावनाओं की अनदेखी है और सामाजिक समरसता की दृष्टि से भी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी सामाजिक एवं धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना सरकार की जिम्मेदारी है। इसलिए सरकार को व्यावहारिक निर्णय लेते हुए यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य ईद के बाद शुरू कराने का निर्णय लेना चाहिए, ताकि सभी शिक्षक अपने त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मना सकें और मूल्यांकन कार्य भी बेहतर ढंग से संपन्न हो सके।

पीलीभीत में डबल डेकर बस पलटी:नशे में धुत ड्राइवर से 15 यात्री गंभीर घायल

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 09 मार्च। सोमवार तड़के नेशनल हाईवे 730 पर थाना गजरौला क्षेत्र के कैंच गांव के पास दिल्ली से लखीमपुर जा रही एक डबल डेकर निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण सड़क हादसे में बस में सवार 40 यात्रियों में से 15 गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें 6 की हालत अति गंभीर बनी हुई है।

हादसा सुबह करीब 4:30 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस की रफ्तार बेहद तेज थी और चालक नशे की हालत में नींद की झपकी लेते हुए वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। पलटने के बाद बस हाईवे पर लगभग 100 मीटर तक घिसटती चली गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी।

गंभीर घायलों को पीलीभीत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि बाकी यात्रियों को प्राथमिक उपचार देकर छुट्टी दे दी गई। हादसे से हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। एआरटीओ और थाना गजरौला पुलिस फोर्स ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से बस हटाई, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका। चालक की लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण बताया जा रहा है।

पीलीभीत हाईवे पर पहले से चिन्हित 'ब्लैक स्पॉट्स' के बावजूद तेज रफ्तार और डग्गामार बसों पर नियंत्रण न होने से ऐसी दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का बांगरमऊ आगमन,बाबा बुद्धेश्वर मंदिर में पूजा

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने का आह्वान

(जीएनएस)।

उन्नावः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सोमवार दोपहर 12 बजे उन्नाव के बांगरमऊ नगर पहुंचे। वे हरदोई-बिल्हौर मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध बाबा बुद्धेश्वर मंदिर गए, जहां श्रद्धालुओं ने उनका जयकारों के साथ स्वागत किया। मंदिर परिसर में पहुंचने के बाद उन्होंने पूजा-अर्चना की।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद 'गौरक्षार्थ धर्म युद्ध यात्रा' के तहत बांगरमऊ आए हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य गाय को 'गौ माता' और 'भारत की राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग करना है।

बांगरमऊ नगर में श्रद्धालुओं ने शंकराचार्य का स्वागत किया। आचार्यों ने वैदिक विधि-विधान से उनका अभिनंदन किया। इस दौरान बोधेश्वर में एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शंकराचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए 40 दिन का समय दिया गया था। इस मांग को याद दिलाने के लिए हर दस दिन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि अब इस समय सीमा के समाप्त होने में केवल 48 घंटे बचे हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित नहीं किया जाता है, तो सनातन धर्म को बचाने के लिए सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना पड़ेगा। इस अवसर पर उन्होंने "धर्म की जय हो, अधर्म का विनाश हो" का नारा भी दिया।

इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोग मौजूद थे। शंकराचार्य ने मंदिर के पुजारी से भी मुलाकात की। बताया जा रहा है कि बांगरमऊ के बाद शंकराचार्य हरदोई के लिए प्रस्थान करेंगे।

भीम आर्मी कार्यकताओं ने बजरंग दल गौ सेवक के घर पर किया हमला

पूरनपुर,पीलीभीत,9 मार्च 2026: सिमरा तालुका महाराजपुर नगरिया कला रमनगरा क्षेत्र में राष्ट्रीय बजरंग दल गौ रक्षा दल के गौ सेवक गोलू यादव के घर पर भीम आर्मी के 10-15 कार्यकताओं ने हमला बोल दिया। ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया की अगुवाई वाली इस टीम द्वारा सैकड़ों गौवंशीय पशुओं का उपचार और सनातन सेवा का कार्य किया जाता है।

शिकायत से नाराज होकर घुसे हमलावर

1 मार्च 2026 को गोलू यादव ने माधो टांडा थाने में तहरीर दी थी कि कुछ लोग भीमराव आंबेडकर को ब्राह्मणों का 'जीजा जीजा' कहते हुए अपमानजनक वीडियो वायरल कर रहे हैं और हिंदू देवी-देवताओं पर गलत टिप्पणियां कर रहे हैं। इसी शिकायत से भड़के भीम आर्मी कार्यकताओं ने 8 मार्च 2026 को गोलू के घर में घुसकर उन पर और उनके भाई पर लाठियों से हमला किया। गोलू की मां ने बेटे को बचाने की कोशिश की तो उन्हें भी रॉड से पीटा, जिससे उनका चेहरा लहूलुहान हो गया।

ग्रामीणों ने पकड़ लिए हमलावर

हमले की सूचना मिलते ही आसपास के गौ सेवक और ग्रामीण एकजुट हो गए। उन्होंने भीम आर्मी कार्यकताओं की पिटाई की, उनके हाथ-पैर बांध दिए और घर में बिठा लिया। गोलू यादव और ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने सभी हमलावरों समेत गोलू व उनकी टीम को थाने ले जाकर मामले की जांच शुरू कर दी। घटना का पूरा वीडियो रिकॉर्ड है, जिसमें हमलावरों के हाथों में हथियार साफ दिख रहे हैं।नेताओं ने पुलिस को दी जानकारीठाकुर शिवम सिंह भदोरिया (गौ रक्षा जिला प्रमुख, राष्ट्रीय बजरंग दल पूरनपुर), राहुल अवस्थी, आशु यादव, दीपक बॉथम, गोविंद राणा समेत संगठन के सदस्य थाने पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। संगठन ने प्रशासन से हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।संगठन का संदेशराष्ट्रीय बजरंग दल सभी जातियों का सम्मान करता है। कश्यप, धानुक, वाल्मीकि भाई भी हमारी टीम में सेवा करते हैं और हिंदुत्व का हिस्सा हैं। लेकिन हिंदुत्व या ब्राह्मणों पर गंदी

मल्लपुर खजुरिया पंचायत में 50 लाख के विकास घोटाले का आरोप, क्षेत्र पंचायत सदस्य ने डीएम को पत्र देकर जांच की मांग की

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 9 मार्च 2026: पूरनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत मल्लपुर खजुरिया में विकास कार्यों के नाम पर ग्राम निधि के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य महेश कुशवाहा ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

आरोपों के अनुसार, 2021 से अब तक विकास कार्य केवल कागजों पर दिखाकर करीब 50 लाख रुपये का ग्राम निधि का दुरुपयोग किया गया। महेश कुशवाहा ने बताया कि इस मामले में पहले भी शपथ पत्र के साथ डीएम को शिकायत दी गई थी, लेकिन अब तक कोई जांच नहीं कराई गई।

मांग पूरी न होने पर कुशवाहा ने डीएम कार्यालय के सामने आत्महत्या करने की चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की इस जड़ को उखाड़ने के लिए तत्काल जांच जरूरी है, वरना वे अपना विरोध चरम रूप देंगे।

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में सड़क, हैंडपंप और अन्य विकास योजनाओं का पैसा गबन हो गया, जिससे इलाके का विकास ठप है। डीएम कार्यालय ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मामले की गहराई से जांच की मांग तेज हो गई है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से पैदल यात्री घायल अस्पताल में भर्ती

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर। बीसलपुर क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। गजरौला-बीसलपुर रोड पर रामलीला रोड रेलवे क्रॉसिंग के पास एक मोटरसाइकिल सवार ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार रामलीला रोड के पास समोसे की दुकान चलाने वाले सत्यपाल अपने घर के पास सड़क पर जा रहे थे। इसी दौरान चांदपुरा की ओर से तेज गति से आ रही मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार

टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि सत्यपाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। पड़ोसी डॉ. नागेश चंद्र पाठक ने तत्काल उन्हें प्राथमिक उपचार दिया और एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस के माध्यम से घायल को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार घायल के पैर में गंभीर चोट आई है और हड्डी टूटने की आशंका भी जताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि बाइक चालक चांदपुरा गांव का रहने वाला है। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सुनिधि चौहान स्टेज पर फूटकर रोईं, 'मेरी आवाज बहुत खराब' कहकर बिलख पड़ीं सिंगर, दिलदार निकले लखनऊ वाले

(जीएनएस)।

सिंगर सुनिधि चौहान इन दिनों पूरे भारत में टूर कर रही हैं और उन्हें देखने के लिए भारी भीड़ भी उमड़ती है। हाल ही में वो लखनऊ में थीं, जब स्टेज पर फूटकर रोने लगीं। सुनिधि का गला खराब था जिसके लिए उन्होंने माफी भी मांगी।

भारत की पसंदीदा सिंगर सुनिधि चौहान देशभर के टूर पर हैं। हालांकि, उनके हालिया कॉन्सर्ट में उनके भावुक होने के पल ने सुर्खियां बटोरीं। गौरतलब है कि पिछले साल जब नेहा कक्कड़ को विदेश में अपने कॉन्सर्ट के दौरान भावनात्मक रूप से टूटना पड़ा था, इस बार सुनिधि का दिन भी काफी मुश्किल भरा रहा था, लेकिन उन्होंने भारी भीड़ के सामने माफी मांगी।

हम सभी के जीवन में कभी न कभी ऐसे दिन आते हैं जब हम बीमार होते हैं, फिर भी हमें कार्यक्रम में शामिल होना पड़ता है, और सुनिधि चौहान के साथ भी ऐसा ही हुआ। वह अपनी खराब सेहत का हवाला देकर इवेंट रद्द कर सकती थीं, लेकिन उन्होंने अपने फैंस के लिए कार्यक्रम में शिरकत की। लखनऊ में हाल ही में हुए एक कॉन्सर्ट के दौरान, सुनिधि भावुक हो गईं और लोगों से माफी मांगते हुए बताया कि उन्हें गले की गंभीर समस्या है और उनकी आवाज बहुत खराब लग रही है।

स्टेज पर रो पड़ीं सुनिधि चौहान

7 मार्च, 2026 को लखनऊ के कूलब्रीज रिसॉर्ट्स में सुनिधि अपने 'आई एम होम इंडिया टूर 2025-2026' के तहत परफॉर्मेंस दे रही थीं। उनका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया। चमकदार काले और ट्रांसपेरेंट बॉडीसूट में सजी सुनिधि, गले में खराश के कारण गाने में कठिनाई महसूस कर रही थीं और उनकी आंखों में आंसू आ गए। लेकिन उन्होंने लोगों को समझाया कि उनकी आवाज ठीक नहीं है।

मेरा गला बहुत खराब है। आज मेरी आवाज बहुत ज्यादा खराब है। लेकिन मुझे पता है कि आप मेरे साथ हैं, और मैं फिर भी गाना चाहती हूं। हे भगवान, मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, और यह शर्मनाक है। मुझे बहुत खेद है। बस, मैं हमेशा अपना 100% देना चाहती हूं।

सुनिधि चौहान, सिंगर

सुनिधि चौहान ने मांगी माफी

सुनिधि ने अपने आंसू रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन वे बहते ही रहे और वह दर्द में दिख रही थीं। उन्होंने बेस्ट परफॉर्मेंस न दे पाने की वजह से माफी भी मांगी। सुनिधि ने फैंस को प्यार बरसाने के लिए धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा, 'लेकिन दुर्भाग्य से, मैं कोशिश कर रही हूं और शायद यह वैसा न हो पाए जैसा मैं चाहती थी, इसलिए कृपया मुझे माफ कर दीजिए। मैं अब आगे बढ़ रही हूं। आपके प्यार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।'

सुनिधि चौहान का पूरे भारत में टूर

तबीयत ठीक न होने के बावजूद, सुनिधि ने अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दिया और लाइव देख रहे फैंस ने उनके लिए चीयर किया। गौरतलब है कि यह सुनिधि का पूरे भारत में टूर चल रहा है जो 24 दिसंबर, 2025 को मुंबई से शुरू हुआ था। उन्होंने दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद और चेन्नई जैसे शहरों में प्रस्तुति दी है।

सुनिधि चौहान की लाइफ

सुनिधि चौहान सबसे फेमस सिंगर्स में से एक हैं, जिनके पास कई हिट गाने हैं। उन्होंने 'वो शराबी क्या शराबी', 'शीला की जवानी', 'कमली' और कई गानों पर हर युवा पीढ़ी को थिरकने पर मजबूर कर दिया है। सुनिधि पिछले दो दशकों से इंडस्ट्री पर राज कर रही हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो, सुनिधि चौहान ने 2012 में हितेश सोनिक से शादी की और 2018 में उन्होंने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया।

समय सीमा के अंदर समस्याओं का निस्तारण करे प्रशासनः मुख्यमंत्री

सीएम ने दी बच्चों को सीख- किताबें पढ़ो, सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग न करो

उद्यमियों को किसी भी स्तर पर परेशानी होती है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर कराएं: सीएम योगी

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए पीड़ितों के पास मुख्यमंत्री स्वयं चलकर पहुंचे। उनका प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि सरकार सभी की उचित समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी समस्याओं का निस्तारण होगा। मुख्यमंत्री ने जनपदों के प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समय सीमा के अंदर सुनिश्चित किया जाए निवेश और उद्योग विकास में देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) व जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है। सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। उद्यमियों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। अवैध कब्जे के मामले पर सीएम हुए सख्त

कासगंज से आए पीड़ित ने सीएम के समक्ष पुलिस से जुड़ी शिकायत रखी। पीड़ित ने अपने प्रकरण में कार्रवाई पर देरी की शिकायत की इस पर सीएम योगी ने पुलिस अधीक्षक को मामले का संज्ञान लेते हुए समस्या के समयबद्ध निराकरण का निर्देश दिया। वहीं एक प्रकरण पारिवारिक विवाद से भी जुड़ा आया। अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायत पर सीएम सख्त हुए, उन्होंने कहा कि ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने पीड़ित को आश्वस्त किया कि नियमानुसार तत्काल कार्रवाई होगी।

'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। एक बच्चे के पास पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ो। सोशल मीडिया का प्रयोग उतना ही करो, जितनी आवश्यकता है। इसका अत्यधिक प्रयोग घातक है। सीएम ने मोबाइल आदि का प्रयोग भी कम करने की सलाह दी।

करेली के हरई गांव में बुजुर्ग पर रंजिशन धारदार हथियार से हमला

पीलीभीत। जनपद के थाना करेली क्षेत्र के ग्राम हरई में ५ पुरानी रंजिश के चलते एक बुजुर्ग पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार गांव हरई निवासी अरविंद कुमार ने बताया कि उनके पिता नत्थू लाल पर गांव के ही कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में नत्थू लाल गंभीर रूप से

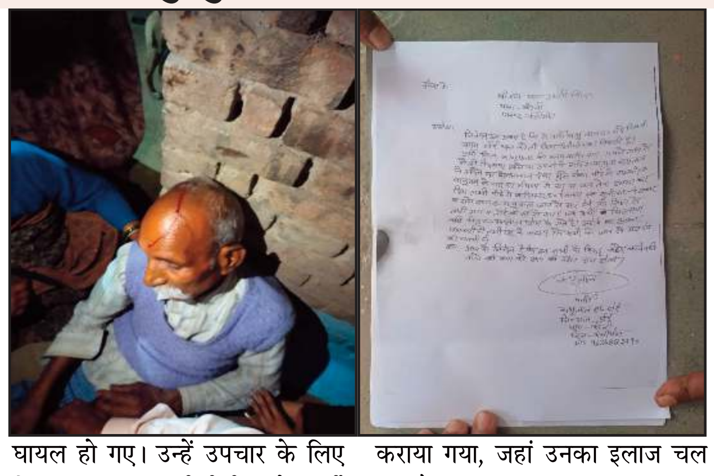

घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल पीलीभीत में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद आरोपी लगातार उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले में गंभीर धाराएं न लगाकर हल्की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली, जिससे पीड़ित पक्ष में आक्रोश है।

अरविंद कुमार ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपने और अपने परिवार की सुरक्षा की भी गुहार लगाई है।

भारतीय किसान यूनियन 'टिकैत' के सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने शाहाबपुर स्थित टोल प्लाजा का घेराव कर धरना प्रदर्शन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आज भारतीय किसान यूनियन 'टिकैत' के सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने शाहाबपुर स्थित टोल प्लाजा का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया।करीब 2 घण्टे चले धरने के पश्चात टोल प्रबंधन और भाकियू नेताओ में बनी आपसी सहमति के बाद धरना स्थगित किया गया।इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत भारी पुलिस बल तैनात रहा।

गौरतलब हो कि गोंडा बहराइच रोड पर शहाबपुर निकट स्थित टोल प्लाजा पर व्याप्त अनियमितताओं व टोल कर्मचारियों द्वारा वाहन मालिकों से की जाने वाली अभद्रता आदि की शिकायत भारतीय किसान यूनियन 'टिकैत' के ब्लॉक अध्यक्ष बंकी रामानन्द वर्मा एक सप्ताह पूर्व लिखित पत्र जिला प्रशासन को सौंपा गया था।पत्र में दर्शाए बिंदुओं पर कार्यवाई न होने की दशा में 9 फरवरी को टोल प्लाजा घेराव की चेतावनी भी दी गई थी।इसी क्रम में आज सोमवार को सुबह से भाकियू कार्यकर्ता टोल प्लाजा पर इकट्ठा होने लगे।प्रदर्शन को लेकर मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई थी।ब्लॉक अध्यक्ष रामानन्द वर्मा ने सैकड़ो कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए टोल प्रबन्धन

पर केई आरोप लगाए।करीब 2 घण्टे चले इस धरना प्रदर्शन के पश्चात क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंत की मौजूदगी में टोल प्रबंधन ने जीएम महेश मिश्रा,टोल मैनेजर अवनीश मित्रा और भाकियू मण्डल अध्यक्ष अनुपम वर्मा सहित पदाधिकारी से वार्ता जारी हुई ।वार्ता में भाकियू द्वारा लगाए आरोपों पर सफाई देते प्रबन्ध तंत्र ने आगे भविष्य में गलतियों को सुधारने व शिकायतों को निस्तारण का भरोसा दिलाया तब जाकर धरना स्थगित किया गया।

इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष अनुपम वर्मा,बंकी ब्लाक अध्यक्ष रामानन्द वर्मा,महामंत्री राम सेवक रावत,ओम प्रकाश,सतीश वर्मा,शिव नरायन सिंह,विशेष कुमार,धीरेन्द्र कुमार शाहिद अली,राजेश वर्मा,अभिषेख,नौमी,राजू आदि उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी अजय प्रकाश त्रिपाठी सहित पुलिस बल मुस्तैद रहा।

काजीपुर एसवीएन कॉन्वेंट स्कूल का वार्षिक उत्सव हुआ संपन्न

(जीएनएस)।

प्रयागराज। एसवीएन विद्यालय काजीपुर में वार्षिक उत्सव का कार्यक्रम विद्यालय के संस्थापक मटुक प्रसाद मिश्रा के द्वारा मां सरस्वती के माल्या अर्पण तथा वंदना गीत के साथ शुभ आरंभ हुआ कार्यक्रम में सामाजिक तथा अनेक शिक्षाप्रद संगीत के माध्यम से नाटिका मंचन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के विद्यार्थियों नैतिक द्विवेदी, मीनाक्षी तथा अथर्व मिश्रा ने किया विद्यालय के छोटे बच्चों ने अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करके समस्त उपस्थित जन समूह का मनमोहन लिया कार्यक्रम के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में स्कूल की शिक्षिका भाविका शर्मा के विशेष आमंत्रण पर विशिष्ट अतिथियों के तौर पर पत्रकार विकास काउंसिल भारत के प्रदेश अध्यक्ष बबीता शर्मा, प्रदेश सचिव नीलम मिश्रा एवं महिला विंग के सदस्य सुधा तिवारी, सुनीता सिंह, दीपिका सिंह आदि महिलाओं ने

कार्यक्रम का आनंद लिया एवं बच्चों को ₹101 की राशि प्रदान कर बच्चों को पुरस्कृत भी किया विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों ने अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करके जनमानस को एक विशेष संदेश दिया एवं शिक्षा के विशेष महत्व का वर्णन भी किया कार्यक्रम में स्वागत गीत मोरनी बनके काला चश्मा, होली गीत संसार का महत्व चंदा ने पूछा तारों से अनपढ़ नेता जी नाटक, शुभ दिन आयो रे, आदि कार्यक्रमों से बैठे हुए अभिभावक जनो का मन मोह लिया कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार मिश्र शिक्षक गण कविता तिवारी, अंशु, रंजन, ज्योति, संदीप दुबे, शैलेंद्र शर्मा, रविकांत तिवारी आदि का सहयोग अत्यधिक रहा जिनके योगदान से बच्चों ने विशेष कार्यक्रम को सफल बनाया।

बीसलपुर के बेनीराम मंदिर में ब्राह्मण कल्याण समिति का भव्य होली मिलन समारोह, 'तिथि व्रत उत्सव पत्रिका 2026' का विमोचन

(जीएनएस)।

बीसलपुर। बेनीराम मंदिर में रविवार की शाम श्री ब्राह्मण कल्याण समिति के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष आलोक नगाइच एडवोकेट ने 'तिथि व्रत उत्सव निर्णय पत्रिका 2026' का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित गंगाशरण डूंगरपुरिया ने की।अध्यक्ष आलोक नगाइच ने कहा कि होली शिकवा-शिकायत दूर करने का पर्व है, जो सभी को एकजुट करता है। कमलेश मोहन बाजपेई ने संगठित रहने की अपील की। समारोह में गंगा शरण, उमाकांत मिश्रा, उपेंद्र वाजपेयी, डॉ. कमलेश मोहन बाजपेई, पीयूष मिश्रा, अर्पित समाधिया, कमल किशोर मिश्रा, सुभाष पांडे आदि ने विचार व्यक्त किए। राम प्रकाश पाठक, सूर्य प्रकाश मिश्रा, लकी महाराज, बिल्लू महाराज, शुबनेस पाठक, दिवाकर बाजपेई, विष्णु बाजपेयी, दिनेश

समाधिया भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन समिति के महामंत्री सूर्य प्रकाश मिश्रा ने किया।

बांगरमऊ : होली के बाद फिर शुरू हुआ गंगा कटरी बचाओ अभियान, चिन्तापुरवा में हुई जनचौपाल

(जीएनएस)।

बांगरमऊ क्षेत्र में होली पर्व के पश्चात एक बार फिर गंगा कटरी बचाओ अभियान को गति देते हुए ग्राम चिन्तापुरवा में ग्रामीणों के साथ गंगा कटरी बचाओ जनचौपाल का आयोजन किया गया। जनचौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों, किसानों और क्षेत्रीय लोगों ने भाग लेकर कटरी क्षेत्र की समस्याओं पर खुलकर चर्चा की।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि गंगा के किनारे बसे कटरी क्षेत्र के गांवों को हर वर्ष बाढ़, आवागमन की कठिनाइयों और विकास की कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। किसानों की खेती भी असुरक्षित बनी रहती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

जनचौपाल में वक्ताओं ने कहा कि गंगा कटरी क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के सम्मान व सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि गंगा के किनारे मजबूत बंधा और बेहतर सड़क व्यवस्था होने से कटरी क्षेत्र के गांवों को बड़ी राहत मिल सकती है। साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए सरकार को विशेष योजना बनाकर कार्य करना चाहिए।

ग्रामीणों ने इस बात पर जोर दिया कि यदि कटरी क्षेत्र में सड़क, बंधा और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास होता है तो यहां के किसानों को स्थायी सुरक्षा और सम्मान मिल सकेगा। जनचौपाल में यह भी कहा गया कि गंगा के किनारे चार लेन सड़क या किसान पथ बनने से क्षेत्र के गांवों को मुख्य मार्गों से बेहतर संपर्क मिल सकता है, जिससे आवागमन और व्यापार दोनों को लाभ होगा।

इस अवसर पर कई ग्रामीणों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि गंगा कटरी क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को लंबे समय से नजरअंदाज किया जाता रहा है, इसलिए अब संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करने की आवश्यकता है। सभी ने एकजुट होकर गंगा कटरी बचाओ अभियान को मजबूत बनाने और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

जनचौपाल के अंत में ग्रामीणों ने कहा कि जब तक कटरी क्षेत्र की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक यह अभियान गांव-गांव चलाया जाएगा और लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासी और क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राजू यादव, सन्तोष अग्निहोत्री, रामदयाल कुशवाहा, पिंटू यादव,रामाकांत निषाद, राजेश निषाद , धीरज कुमार, भोला शंकर निषाद सहित सैकड़ो ग्रामवासी जनचौपाल में रहे

करनपुर चक में विकास कार्यों पर उठे सवाल, हैंडपंप का चबूतरा नहीं बना

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जनपद के बिलसंडा विकासखंड के ग्राम करनपुर चक में कराए गए विकास कार्यों को लेकर ग्रामीणों में असंतोष देखा जा रहा है। गांव में लगाए गए इंडियन मार्का हैंडपंप के साथ चबूतरा निर्माण न होने से लोगों ने कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि हैंडपंप लगाने के नाम पर सरकारी धन तो खर्च दिखा दिया गया, लेकिन जरूरी निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में कुछ समय पहले पीने के पानी की सुविधा के लिए इंडियन मार्का हैंडपंप लगाया गया था। हैंडपंप तो स्थापित कर दिया गया, लेकिन उसके चारों ओर चबूतरा नहीं बनाया गया, जिससे पानी भरने के दौरान पानी आसपास फैल जाता है और वहां कीचड़ जमा हो जाती है। बरसात और ज्यादा पानी गिरने की स्थिति में यह जगह दलदल जैसी हो जाती है, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पानी भरने में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी योजनाओं के तहत हैंडपंप के साथ चबूतरा और पानी निकासी की व्यवस्था भी कराई जानी चाहिए, ताकि स्वच्छता बनी रहे और पानी भरने वालों को सुविधा मिल सके। लेकिन यहां चबूतरा न बनने से कार्य की गुणवत्ता और जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि गांव में पहले भी कई विकास कार्यों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। उनका कहना है कि यदि कार्य सही तरीके से कराया जाए तो गांव की मूलभूत सुविधाओं में सुधार हो सकता है, लेकिन लापरवाही के कारण लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कराकर अधूरे पड़े निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग की है। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों से अनुरोध किया है कि गांव में कराए जा रहे विकास कार्यों की निगरानी की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति दोबारा न बने और ग्रामीणों को योजनाओं का सही लाभ मिल सके।